ऐ कलम मेरी लिख दे तू ऐसा भजन , सुन के कान्हा का भी खुश हो जाए मन

ऐ कलम मेरी लिख दे , तू ऐसा भजन ,
सुन के कान्हा का भी , खुश हो जाए मन ,

उनके चेहरे से हटती , नहीं है नजर ,
उनकी जादू भरी है , वो तिरछी नजर ,
उनकी नजरो पे लिख दे , तू कोई भजन ,
सुन के कान्हा का भी , खुश हो जाए मन ,

ऐ कलम मेरी लिख दे , तू ऐसा भजन ,
सुन के कान्हा का भी , खुश हो जाए मन ,

जब से देखा उन्हें , मै दीवाना हुआ ,
उनकी गलियों में रोज , मेरा आना जाना हुआ ,
उनकी सांवरी सूरत पे , तू लिख दे भजन ,
सुन के कान्हा का भी , खुश हो जाए मन ,

ऐ कलम मेरी लिख दे , तू ऐसा भजन ,
सुन के कान्हा का भी , खुश हो जाए मन ,

उनके चरणों में मेरी , लगी है लगन ,
उनके भजनो में मेने , लगाया है मन ,
उनके चरणों में लिख दे , तू मेरा नमन ,
सुन के कान्हा का भी , खुश हो जाए मन ,

ऐ कलम मेरी लिख दे , तू ऐसा भजन ,
सुन के कान्हा का भी , खुश हो जाए मन ,

Bhajan Lyrics - Jay Prakash Verma, Indore

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36906/title/ae-kalam-meri-likh-de-tu-aisa-bhajan---sun-ke-kanha-ka-bhi-khush-ho-jaye-man

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |